सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

N·S·D·C
RE IMAGINE FUTURE

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने देवगढ़ में कुशल भारत केंद्र का उद्घाटन किया

देवगढ़ केंद्र भारत को वैश्विक कौशल केंद्र में बदलने के लिए मोदी गारंटी के साथ जुड़कर युवा पीढी की क्षमता को उजागर करेगा

ओडिशा, 24 फरवरी, 2024: केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने कहा कि एनएसडीसी अकादमी युवा प्रतिभाओं को टूलकिट से लैस करके भावी कौशल में उनकी क्षमता का दोहन करने में एक सुविधाकर्ता के रूप में कार्य करता है जो उन्हें वास्तविक दुनिया के परिदृश्य, प्रसिद्ध संगठनों के साथ भागीदारी और नियोजन की सुविधा प्रदान करने, सैद्धांतिक अवधारणाओं को कार्यान्वित करने में सक्षम बनाता है।

देवगढ़ में आज कौशल भारत केंद्र का उद्घाटन करते हुए, मंत्री जी ने कहा, "माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न को प्राप्त करने के लिए युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें नए भारत के लिए तैयार करने के उद्देश्य से देवगढ़ में कौशल भारत केंद्र का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। सरकार ओडिशा राज्य सहित भारत के युवाओं को कार्यबल में सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, विशेष पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण से उन स्नातकों को अत्यधिक लाभ होगा जो वैश्विक बाजारों में अपने चुने हुए व्यवसायों में एक संपन्न और पुरस्कृत

करियर की सुविधा के लिए स्वयं को मांग और भावी कौशल से लैस करने की कल्पना करते हैं। कुशल भारत केंद्र (एसआईसी) भारत को वैश्विक कौशल केंद्र में बदलने के लिए मोदी गारंटी के साथ जुड़कर, व्यापक कौशल प्रशिक्षण पहल के माध्यम से युवा पीढ़ी की क्षमता को उजागर करता है।"

कुशल भारत केंद्रों की स्थापना विभिन्न उद्योगों की गतिशील मांगों के साथ सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में एक कार्यनीतिक कदम है क्योंकि ये केंद्र इन मांग-संचालित क्षेत्रों- मीडिया, चमड़ा, पर्यटन और आतिथ्य, और आईटी-आईटीईज़ में हैंड्स-ऑन ज्ञान के स्तंभ के रूप में कार्य करेंगे। 3237 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित, यह केंद्र अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाओं, उन्नत प्रयोगशालाओं और विशेष स्थानों से लैस है जो आधुनिक शिक्षा और कौशल विकास की विविध आवश्यकताओं को पूरा करता है।

केंद्र स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, ग्राफिक डिजाइनर, स्टिचर्स - गुड्स एंड गारमेंट्स, कटर - गुड्स एंड गारमेंट्स, हेल्पर, बरिस्ता एक्जीक्यूटिव, एफ एंड बी सर्विस सहयोगी और आईटी हेल्पडेस्क सहायक सहित दस पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव के साथ अकादमिक ज्ञान को समेकित रूप से एकीकृत करके छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इस नियोजन को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, केंद्र उद्योग-विशिष्ट पाठ्यक्रमों में छात्रों के कौशल को निखारने, नेटवर्किंग के अवसरों का निर्माण करने और उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो पारंपरिक शिक्षा और आधुनिक कार्यबल की मांगों के बीच के अंतराल को पाटता है।

ओडिशा की युवा आबादी संभावनाओं से भरपूर है और उन्हें भावी कौशल से लैस करके, केंद्र उनकी क्षमताओं को उजागर करता है और उन्हें वर्तमान कारोबारी माहौल में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाता है। केंद्र भावी कौशल को बढ़ावा देगा, रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा तथा पारंपरिक शिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करेगा और उन्हें समकालीन संदर्भों में बढ़ावा देगा।

20 फरवरी को, माननीय केंद्रीय मंत्री ने संबलपुर में कौशल भारत केंद्र का उद्घाटन किया, जिसके बाद 23 फरवरी को ढेंकानाल में एक और उद्घाटन किया गया। ये प्रयास ओडिशा को आधुनिक कौशल केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे जो आकर्षक करियर संभावनाओं के निर्माण के लिए जॉब बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे स्थानीय युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करेगा।

ढेंकानाल में यह कुशल भारत केंद्र, वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में प्रगति के लिए आवश्यक कौशल के साथ युवाओं को सशक्त बनाने की सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

यह प्रशिक्षण इकोसिस्टम के निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, एनएसडीसी एक केंद्र प्रबंधक को नामित करेगा जो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण करेगा, गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा और केंद्र के समग्र कामकाज को सुनिश्चित करेगा। इस पहल के एक भाग के रूप में, क्षेत्र कौशल परिषद (एसएससी) क्षेत्र-विशिष्ट विशेषज्ञता प्रदान करेगी, कौशल अंतराल की पहचान करेगी, प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करेगी और एक कुशल कार्यबल बनाने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करेगी जो उद्योगों में प्रतिभा की मांग को पूरा करेगी।